सूर्या फाउण्डेशन

आदर्श गाँव योजना

चयनित आदर्श गाँव
फफूँडा – मेरठ (उ.प्र.)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यत: हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

- ✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर- PDC
- ✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।
- ✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।
- ✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- ✓ पिछले तीन वर्षों में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।
- ✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।
- ✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।
- ✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**- तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी-पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

फफूँडा गाँव की बदलती तस्वीर

अजीत सिंह
सेवा कार्यकर्ता
गाँव : फफूँडा

भारत गाँवों का देश है इसलिए इसकी आत्मा गाँव में ही बसती है। सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अन्तर्गत 25 वर्षों से गाँव को आदर्श बनाने की दिशा में एक अनूठा प्रयास कर रहा है। जब हम गाँव के विकास की बात करते हैं तो हमारा इशारा आर्थिक और सामाजिक विकास से होता है, गाँव में कृषि व दूध उत्पादन को बढ़ावा दे रहे दो स्वयं सहायता समूह का निर्माण किया गया है। सूर्या संस्कार केन्द्र के माध्यम से बच्चों में संस्कार व आदतों में सुधार हुआ है। सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से युवाओं को ग्राम विकास के कार्यों से जुड़ाव बढ़ा है। ग्राम प्रधान के सहयोग से गाँव में निर्माण के कार्य पर्याप्त मात्रा में हुए हैं।

सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभार्थी तक पहुँचे इस दिशा में कार्य हुआ है। पिछले दो वर्षों से सकारात्मक परिणाम देखने को मिला। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीणों को विशेषकर महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। जिसमें गौपालन, सिचाई, लघु उद्योग सामिल हैं। भारत समृद्धि की ओर तभी बढ़ेगा जब गाँव के लोगों के पास शिक्षा व रोजगार होगा तभी खुशहाली होगी। इस पुनीत कार्य में फाउण्डेशन के द्वारा मैं भी अपने हिस्से का योगदान दे पा रहा हूँ यह मेरे लिए गौरव की बात है।

फफूँडा मे किये गये विकास कार्य

- गाँव के 12 कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हुआ।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों में 450 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।
- खेलकूद प्रतियोगिता से 500 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- 10 कूड़ेदान विद्यालय में और 32 कूड़ेदान परिवारों में दिया गया है।
- 4 स्वयं सहायता समूह गठित किए गए हैं।
- 170 लोगों की आँखों की जाँच कराकर 70 लोगों को चश्मा और 16 लोगों का आँखों का आपरेशन करवाया गया।
- पेड़ों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाए गए।
- 275 भैंस और 147 गायों का टीकाकरण करवाया गया।
- 20 बहनों को पाँच-दिवसीय हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण कराया गया।
- 29 परिवारों को उज्वला योजना का लाभ दिलाया गया।
- 15 महिलाओं के मनरेगा में जाब कार्ड बनवाए।
- 244 परिवारों के राशन कार्ड बनवाए गए।

सूर्या फाउण्डेशन समाज के निचले स्तर तक जाकर परिवर्तन का कार्य कर रहा है। मैं सूर्या फाउण्डेशन के कार्यों को पहले से ही जानता हूँ। यह बहुत ही अच्छी बात है कि सूर्या फाउण्डेशन ने समग्र ग्राम विकास की दृष्टि से मेरे क्षेत्र के फफूँडा गाँव को चयन किया। यहाँ शिक्षा व स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं। गाँव में समरसता बढ़ी है। दीनदयाल जी के कथन, **समाज के आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सुविधा पहुँचाना है।** इस कार्य में सूर्या फाउण्डेशन अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मैं आदरणीय जय प्रकाश जी को इस कार्य के लिए उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

श्री राजेन्द्र अग्रवाल
सांसद – मेरठ

शिक्षा – सूर्या संस्कार केन्द्र

रोहित कुमार
शिक्षक

मैं फफूँडा गाँव में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित सूर्या संस्कार केन्द्र चलाता हूँ। सायं 03:00 बजे से 05:00 बजे तक केन्द्र में 30 भैया-बहन प्रतिदिन उपस्थित रहते हैं। केन्द्र चलाने के लिए मुझे 20 दिन का प्रशिक्षण झिंझौली, दिल्ली में मिला। योग, ध्यान और Communication Skill कैसे बेहतर हो यह सब मैंने प्रशिक्षण में सीखा। जिससे मेरे व्यक्तित्व में पहले से ज्यादा सुधार हुआ। संस्कार केन्द्र पर रंगोली प्रतियोगिता, देशभक्ति गीत और महापुरुषों के प्रेरणादाई प्रसंग सुनाए जाते हैं जिससे बच्चों में देशभक्ति का भाव बढ़ा है। इसके साथ ही बच्चों को घर में रखे खराब सामान से कैसे उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुएँ बनाई जाती हैं, यह भी सिखाया जाता है। सूर्या फाउण्डेशन की इस पहल से यह बच्चे अपने गाँव के विकास में निश्चित रूप से भागीदार होंगे। यह भाव इनमें जगाया जा रहा है।

मैं प्रतिदिन सूर्या संस्कार केन्द्र में पढ़ने आती हूँ। संस्कार केन्द्र पर पढ़ाई के साथ-साथ अपनों से मिल जुल कर रहना चाहिए यह सिखाया जाता है। हमारी मासिक परीक्षा भी कराई जाती है और संस्कार केन्द्र पर देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराए जाते हैं नये-नये खेल भी कराते हैं, मुझे खेलने में बहुत मजा आता है। केन्द्र पर जाने से मुझे 20 तक पहाड़े, 6 देशभक्ति गीत याद हो गए हैं, 5 कहानियाँ याद हो गई हैं। सब से हाथ जोड़कर हरे कृष्णा बोलना, मैं इन सब बातों को अच्छी तरह सीख चुकी हूँ। जिससे मुझमें बहुत सारी अच्छी बातों का सुधार हुआ है।

रेणुका (कक्षा- 5वीं)
सूर्या संस्कार केन्द्र

युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

सचिन कुमार
शिक्षक

मैं सूर्या यूथ क्लब चलाता हूँ, जब से सूर्या फाउण्डेशन में 20 दिन की ट्रेनिंग करके आया हूँ, तब से मेरे अन्दर नई ऊर्जा आई है। मैं केन्द्र पर आने वाले युवाओं को खेल कराता हूँ। यूथ क्लब पर सभी वर्ग के युवा आते हैं। आपस में भाई-चारे के भाव से रहते हैं। केन्द्र पर आने वाले कोई भी युवा नशा नहीं करते हैं। सुबह उठकर योग अभ्यास करते हैं। सभी युवा टोली के सदस्य मिलकर प्रत्येक मंगलवार को यूथ क्लब पर हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। आवश्यकता पड़ने पर सामाजिक कार्यों में सहयोग करते हैं। कांवड़ के समय कावड़ियों को जल और शर्बत पिलाने में युवा टोली का विशेष योगदान रहता है। यूथ क्लब से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ी है। युवाओं की समय-सारणी में सुधार हुआ है।

अंकुर कुमार
खिलाड़ी

मैं सूर्या यूथ क्लब का खिलाड़ी हूँ। प्रतिदिन यूथ क्लब पर खेल खेलने आता हूँ, दो घण्टे खेल खेलने से मेरे शरीर के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, पहले मैं दिनभर आलस्य महसूस करता था। यूथ क्लब में जाने से अब मैं स्वयं को फुर्तीला महसूस करता हूँ। मैं पिछले 6 माह से यूथ क्लब में नियमित आ रहा हूँ। हमारे सूर्या यूथ क्लब में कुल 20 युवा खेलने के लिए आते हैं और वालीवॉल के साथ-साथ भारतीय खेल भी खेलते हैं, प्रतिदिन वॉलीवॉल खेलने से मैं वॉलीवॉल का अच्छा खिलाड़ी बन गया हूँ। मैं गाँव के विकास पर सभी भैयाओं के साथ सहयोग करता हूँ।

गाँव फफूँडा में चल रहे कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ

महिला सशक्तिकरण – सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

मैं सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित सिलाई केन्द्र को 2018 से बतौर शिक्षिका के रूप में चला रही हूँ। 12 बहनों के 6 बैच अब तक पूरे हो चुके हैं। एक बैच तीन माह का होता है। प्रतिदिन 2 घण्टे तक सभी लड़कियों को नियमित सिलाई सिखाती हूँ। इसमें गाँव में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बहनें आती है। शुरुआत में अखबार और पुराने कपड़ों पर कटिंग सिखाई जाती है उसके बाद सिलाई सिखाने का काम किया जाता है। कटिंग और सिलाई दोनों सीखने में सुविधा होती है। आज प्रशिक्षित बहनें अपने व परिवार के कपड़ों की सिलाई कर लेती हैं। जिससे गाँव की बहनें सिलाई पर होने वाला खर्च बचा लेती हैं। इस प्रकार सेवा कार्य करने में काफी खुशी मिलती है।

रेखा देवी
(शिक्षिका)

हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण

हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से मैंने बहुत कुछ सीखा, जैसे–टेडी बीयर, मिरर होल्डर, रैबिट, बैग, तोरण आदि। इस ट्रेनिंग में पूनम दीदी ने 5 दिनों में बहुत कुछ सिखाया जो कि हमारे लिए आने वाले दिनों में बहुत अच्छा साबित होगा। हम सभी बहनें इन सभी चीजों को बनाकर अपना कारोबार शुरू करेंगी मेरे परिवार के लिए आर्थिक मदद होगी। मेरी ओर से यह सुझाव है कि ऐसे शिविर हमारे गाँव में समय–समय पर होते रहें ताकि और भी बहनें नया सीखें और अंत में यही कहना चाहूँगी कि इस शिविर की समय–सीमा को और बढ़ाया जाए तो हम सभी के लिए बहुत अच्छा होगा।

स्वाती सिंह

स्वयं सहायता समूह

गाँव में स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण हेतु 12 स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। अलग-अलग प्रकार की ट्रेनिंग कराई जाती है। जिससे गाँव में स्वरोजगार बढ़े और महिलाएँ स्वावलंबी बनें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एक सदस्य का अनुभव...

रीना गोस्वामी
कोषाध्यक्ष - SHG

हमारे समूह को बने हुए एक वर्ष हो गया है। समूह को बनाने में सूर्या फाउण्डेशन का बहुत योगदान रहा है। हम साप्ताहिक बैठक करते हैं और अपनी अपनी मासिक बचत जमा करते हैं। जिससे हमें अपनी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है, इस समूह के शुरू होने से पहले हमें अपने घर की जरूरतों के लिए किसी साहूकार से ऊँची ब्याज दरों पर पैसा लेना पड़ता था। जिसको चुकाना हमारे लिए मुश्किल था।

इस समूह के शुरू हो जाने से हमारी छोटी-छोटी जरूरतों को आपस में कम ब्याज पर पैसा देकर पूरा कर लेते हैं। साथ ही साथ हमें सरकार की ओर से प्रोत्साहन राशि के रूप में 15000 रू भी मिले हैं जिसको सभी सदस्यों की सहमति पर हमने तीन प्रतिशत के ब्याज पर उठाया है, जिस पैसे से हमारे समूह की महिलाओं को आमदनी होने लगी और आगे हम स्व-रोजगार के लिए उत्तर प्रदेश आजीविका मिशन के अंतर्गत चलाये जा रहे प्रशिक्षण में अपनी रूचि अनुसार काम का प्रशिक्षण प्राप्त करके अपने समूह का रोजगार शुरू करेंगे।

सेवाकार्यों में लगे कार्यकर्ता

क्रम	नाम	दायित्व	मोबाइल
1	गिरीश प्रसाद	क्षेत्र प्रमुख	9193338442
2	अजीत सिंह	पूर्णकालिक कार्यकर्ता	9518258050
3	रोहित कुमार	संस्कार केन्द्र शिक्षक	9690255753
4	सचिन कुमार	यूथ क्लब शिक्षक	7017661615
5	रेखा देवी	सिलाई शिक्षिका	8273017399
6	हौसला प्रसाद	सेवाभावी	8868812139
7	सुखपाल सिंह	सेवाभावी	8630321997
8	जगवीर सिंह	सेवाभावी	7906662177
9	सुरेन्द्र सिंह	सेवाभावी	8958862535

अपने गाँव में ही स्वरोजगार

सुरेन्द्र जी (सेवाभावी) द्वारा उपले बनाने का स्वरोजगार : अनुभव

मैं सुरेन्द्र कुमार गाँव फफूँडा का निवासी हूँ। मैं खेती के साथ-साथ गाय के गोबर का कण्डा (उपले) बनाने का काम करता हूँ। सूर्या फाउण्डेशन के ट्रेनिंग सेन्टर झिंझोली में प्रशिक्षण लेते समय मैंनें अपने साथियों को बताया तो सबको अच्छा लगा। वहाँ से वापस आने के बाद कुछ नया करने विचार आया और अपने कण्डे वाले कार्य को ही बढ़ाया। कण्डे के कार्य को बढ़ानें में सूर्या फाउण्डेशन की ओर से प्रेरणा मिली।

पूरे परिवार के साथ काम में लग गया बाद में देशी गाय के गोबर से बनें कण्डे की मांग बढ़ी, जिसकी पूर्ति (कण्डे का निर्माण कार्य) के लिए गाँव से महिलाओं का सहयोग लेना शुरू किया। अभी हमारे द्वारा निर्मित कण्डे दिल्ली, हरियाणा तथा उत्तरप्रदेश के कई व्यापारी लेकर जाते हैं। हमारा उपला हवन करने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है। वर्तमान में आठ महिलाओं को प्रतिदिन काम दिया जाता है। इस काम को करने से हमारी आय में वृद्धि हुई है।

अन्य गतिविधियाँ

अपने मूल गाँव को आदर्श बनाने की ललक

अपने गाँव से बाहर निकलकर गाँव के विकास के बारे में काम करने वाले बहुत कम लोग मिलते हैं। उनमें से एक नाम डॉ. ब्रह्मदत्त शर्मा है। जो फफूँडा गाँव के ही मूल निवासी हैं। आप भूतपूर्व आई.ए.एस. अधिकारी हैं। उन्होंने अपने गाँव फफूँडा को पूर्ण रूप से आदर्श गाँव बनाने का संकल्प लिया है। गाँव में स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलम्बन, स्वच्छता के लिए काम शुरू हुए हैं। गाँव के लोगों को आँखों की समस्या न हो, इसलिए तन्मय ट्रस्ट के सहयोग से प्रत्येक वर्ष फरवरी माह में आँखों की जाँच शिविर लगाकर लोगों को नि:शुल्क इलाज कराने की व्यवस्था होती है।

इस वर्ष कैम्प में 170 लोगों की जाँच हुई, जिसमें 40 लोगों को नि:शुल्क चश्मा वितरित किया गया। अपने पैतृक मकान के स्थान पर ब्रह्मदत्त जी ने मन्दिर बनवाने का कार्य शुरू किया। जिससे गाँव में भजन-कीर्तन के माध्यम से समरसता और भक्ति भाव का जागरण हो सके। सूर्या फाउण्डेशन के सहयोग से गाँव में बच्चों के संस्कार के लिए सूर्या संस्कार केन्द्र, युवाओं की जागरूकता के लिए सूर्या यूथ क्लब, किसानों के लिए किसान गोष्ठी एवं महिलाओं के लिए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र और सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से महिला सशक्तिकरण के लिए भी सफल प्रयास किया गया है।

सूर्या संस्कार केंद्र के बच्चों के साथ डॉ. ब्रह्मदत्त जी एवं सूर्या टीम

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गाँव में चलाए जा रहे कार्यक्रम गाँव को आदर्श बनाने की दिशा में बहुत कारगर साबित हो रहे हैं। यह कार्यक्रम हर वर्ग को ध्यान में रखकर चलाए जा रहे हैं। गाँव में शिक्षा व संस्कार बढ़े इसके लिए बच्चों के लिए संस्कार केन्द्र चलाया जा रहा है। इसमें बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ योग, ध्यान, देशभक्ति गीत, भारतीय खेल आदि के द्वारा बच्चों का चहुँमुखी विकास हो रहा है। इसी तरह युवाओं को खेलकूद के माध्यम से जोड़कर ग्राम विकास के कार्य में लगाया जा रहा है। मुझे खुशी है कि यह संस्था हमारे गाँव में इस तरह सेवा के अनेक काम कर रही है और आगे भी इसी तरह से निरंतर कार्य करते रहे ऐसी आशा करता हूँ।

विकास भड़ाना
(सेवाभावी)
भाजपा युवा मोर्चा
जिला मंत्री-मेरठ

समाचार पत्रों में फफूँडा गाँव की झलकियाँ

किसान गोष्ठी में दी उन्नत खेती की जानकारी

खरखौदा। फ फूंडा में सबमिशन आन एग्रीकल्चरल एक्सटेन्शनन की योजनान्तर्गत किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की दी गई जानकारी। पुराना शिव मंदिर में कृषि विभाग व सूर्या फाउंडेशन के नेतृत्व में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्य क्रम के तहत किसानों को खेती संबंधित जानकारी दी गई। कृषि विभाग के सत्यवीर सिंह एडीओ एग्रीकल्चरल मेरठ ने किसानों को खरीफ फ सलों की खेती संबंधित जानकारी देते बताया कि फसलों में लगने वाले रोगो से बचाव जैविक खाद से खेती करने के लाभ अधिक फसल उत्पादन की जानकारी के साथ भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना एवं किसानों के हित में चल रही अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया। कृषि विभाग से शिवकुमार वरिष्ठ वैज्ञानिक हस्तिनापुर किसन चंद हरित, डी के शर्मा, सतबीर सिंह तथा प्रमोद आश्रय,सुधीर अग्रवाल, अरूण कुमार, ललित प्रधान, संजीव, संदीप प्रधान रहे।

हस्तशिल्प कला शिविर का शुभारंभ

खरखौदा। क्षेत्र के फफूंडा गांव में सूर्या फाउंडेशन द्वारा आदर्श ग्राम योजना के अतंर्गत पांच दिवसीय हस्तशिल्प कला का प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर दिल्ली से आए इंचार्ज प्रमोद आर्से, एडवोकेट कृष्ण कुमार चौबे, प्रधान ललित गुर्जर और मेरठ क्षेत्र प्रमुख गिरीश प्रसाद गौड़ रहे। प्रमोद आर्से ने बताया कि मध्य प्रदेश से आई शिक्षिका पूनम तिवारी 25 बहनों को प्रशिक्षित करेंगी। ताकि वह अपनी आय बढा सकें। अजीत चौधरी, रवि तिवारी, रोहित, सचिन, राहुल शर्मा आदि रहे।

फफूंडा में किसान गोष्ठी का आयोजन

खरखौदा: बुधवार को आदर्श गांव फफूंडा के पुराना शिव मंदिर में कृषि विभाग व सूर्या फाउंडेशन के नेतृत्व में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत किसानों को खेती संबंधित जानकारी दी गई। कृषि विभाग के सत्यवीर सिंह एडीओ एग्रीकल्चरल मेरठ ने किसानों को खरीफ फसलों की खेती संबंधित जानकारी देते बताया कि फसलों में लगने वाले रोगो से बचाव जैविक खाद से खेती करने के लाभ अधिक फसल उत्पादन की जानकारी के साथ भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना एवं किसानों के हित में चल रही अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा ब्लॉक टेक्नोलॉजी मेनेजर महेंद्र सिंह ने किसानों को सरकारी छूट पर दिये जाने वाले कृषि यंत्रों के बरे मे व उनसे खेती करने के तरीकों से होने वाले लाभ की किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग से शिवकुमार वरिष्ठ वैज्ञानिक हस्तिनापुर किसन चंद हरित डीके शर्मा सतबीर सिंह तथा प्रमोद आश्रय, सुधीर अग्रवाल, अरुण कुमार, ललित प्रधान, संजीव, संदीप प्रधान, अमरजीत, नीतीश कुमार, ब्रह्मपाल, कृष्ण कुमार, राजू, मांगे फौजी, दिनेश, ओमप्रकाश, बिजेन्द्र, उधमसिंह, दीपांशू व रोहित कुमार आदि सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

निर्धनों में शिक्षा की अलख जगा रहा सूर्या फाउंडेशन

मेरठ। सूर्या फाउंडेशन ने आदर्श ग्राम विकास बस्ती योजना के तहत गरीब बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने का बीड़ा उठाया है। संस्कार केंद्र के माध्यम से दस गांवों को आदर्श बनाया जाएगा।

बच्चों को देशभक्ति का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य के प्रति गांवों वालों को जागरूक करेंगे। शास्त्री नगर डी ब्लाक स्थित बालेराम ब्रजभूषण सरस्वती शिशु मंदिर में भारत युवा क्लब का वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश टांक ने कहा कि आधुनिक युग में बच्चों व युवाओं में शिक्षा, संस्कार व देश भक्ति जगाने की आवश्यकता है। देश आज संक्रमण काल से गुजर रहा है। लिहाजा, युवाओं को आगे आने की जरूरत अधिक है। सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि सेवा प्रकल्प आदर्श ग्राम विकास बस्ती योजना के तहत ग्रामीण अंचल के युवाओं में खेलकूद योग के माध्यम से संस्कार जागरण एवं संगठन देश भक्ति का भाव जगाने का काम किया जा रहा है। निर्धन एवं समाज से वंचित वर्ग के छोटे बच्चों शिक्षा नहीं ले पाते हैं। उन बच्चों को संस्कार केंद्र के माध्यम से शिक्षा, ध्यान तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता है। संस्था विगत एक वर्ष से दस गांवों में यह काम कर रही है। सांसद राजेंद्र अग्रवाल, डा. चंद्र मोहन सिंह, वीनस शर्मा, सूर्या फाउंडेशन के वेस्ट यूपी के प्रमुख कृष्ण कुमार चौबे, देवेंद्र सिंह, अमरीश कुमार आदि मौजूद रहे।

निःशुल्क हस्तशिल्प प्रशिक्षण संपन्न

मेरठ (विधान केसरी)। सूर्या फाउंडेशन एक सामाजिक संस्था है जिसके माध्यम से मेरठ के ग्राम फफूडां में पांच दिवसीय निशुल्क हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण रखा गया था जिसमें गांव की 25 बालिकाओं एवं महिलाओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया इस प्रशिक्षण में महिलाओं ने हैंडीक्राफ्ट की कई वस्तुएं बनाना सीखा जैसे सॉफ्ट टॉयज मिरर होल्डर दीवार तोरण माउथ फ्रेशनर चॉकलेट टेडी आदि यह प्रशिक्षण दिनांक 15 जनवरी 2020 से 19 जनवरी 2020 तक रखा गया जिसमें प्रशिक्षकों पूनम तिवारी विदिशा मध्य प्रदेश रही जिन्होंने 5 दिनों तक 25 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया आज आज सभी बहनों ने अपने द्वारा बनाए गए वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाई और पिछले 5 दिनों का अनुभव अतिथियों के और सबके साथ साझा किया कार्यक्रम में आए जिला मंत्री भाजपा श्री विकास भडाना जी सूर्या फाउंडेशन गांव योजना चयनित आदर्श गांव के प्रमुख श्री विकास विश्वकर्मा जी सूर्या फाउंडेशन के मेरठ के क्षेत्र प्रमुख श्रीमान गिरीश प्रसाद गौड़ और रवि तिवारी, अजीत चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया विकास बढ़ाना जी ने कहा बालिकाओं द्वारा तैयार किए गए वस्तुएं तारीफ की और कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन फाउंडेशन करता रहे इसके लिए भी आग्रह किया प्रशिक्षका बहन पूनम तिवारी जी समस्त फफूंडा गांव की ओर से आभार व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण में विशेष रूप से श्रीमती रेखा, सचिन मोतला, रोहित कुमार, स्वाति गुर्जर, मंजू, प्रीति आदि का सहयोग रहा।

खरखौदा में पौधारोपण करते लोग।

पौधारोपण किया

खरखौदा। सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श गांव एव बस्ती विकास योजना द्वारा कस्बे के सरस्वती शिशु मंदिर में रविवार को आदर्श ग्राम योजना के चेयरमैन जयप्रकाश अग्रवाल, राष्ट्रीय अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष संजय पासवान ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम आयोजक अजय त्यागी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबोध शास्त्री ने की। इस दौरान अजय, भजन लाल, अजय कुमार, राजीव कुमार, कपिल कुमार, अमर जीत, संजय, सौरभ कुमार उपस्थित रहे।